पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग उत्तर प्रदेश

कृषि मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ की महत्वपूर्ण बैठक, दिए आवश्यक निर्देश

14 से 16 जून तक प्रदेश के सभी जनपदों में आयोजित होगा 'कृषि मेला एवं आरोग्य मेला'

संभावित 'सुपर एल–नीनो' के प्रभाव को देखते हुए किसानों से खेत की मेड़ों पर वृक्षारोपण एवं अरहर की खेती अपनाने की अपील

लखनऊ : 05 जून, 2026

प्रदेश के कृषि मंत्री श्री सूर्य प्रताप शाही ने आज लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर विभागीय अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक के दौरान उन्होंने जून माह में किसानों के हित में संचालित किए जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए। राज्य सरकार किसानों की आय दोगुनी करने एवं सतत कृषि को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

कृषि मंत्री ने निर्देश दिए कि आगामी 14 से 16 जून तक प्रदेश के सभी जनपदों में 'कृषि मेला एवं आरोग्य मेला' का आयोजन किया जाएगा। इसके तुरंत बाद 17 से 18 जून तक 'प्राकृतिक खेती' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित कर किसानों को रसायन–मुक्त खेती के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके साथ ही आगामी 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन सभी कृषि फार्मों एवं कार्यालयों पर गरिमापूर्ण तरीके से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी राजकीय कृषि फार्मों पर 01 जून से 30 जून तक 'खेत बचाओ अभियान' विशेष रूप से संचालित किया जा रहा है।

बैठक में कृषि मंत्री ने कहा कि गन्ना किसानों की आय बढ़ाने के लिए विभाग द्वारा गन्ना आधारित इंटरक्रॉपिंग (सह–फसली खेती) को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत गन्ने के साथ मूंगफली, उर्द, मूंग, लोबिया, सरसों एवं भिंडी की सह–फसली खेती के प्रदर्शन प्लॉट लगाए गए हैं। साथ ही मृदा सुधार हेतु ढैंचे की विभिन्न प्रजातियों का भी प्रदर्शन किया जा रहा है। उन्होंने RATDS प्रक्षेत्र को मॉडल फार्म के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा धान बीज वितरण में लगे BTM/ATM को मानदेय का भुगतान शीघ्र सुनिश्चित

करने, कृषि शिक्षा का सब–मॉड्यूल तैयार कर मुख्यालय भेजने तथा कृषि यंत्रों की बुकिंग पुनः प्रारंभ करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए।

श्री सूर्य प्रताप शाही ने बताया कि इस वर्ष दलहन–तिलहन फसलों जैसे उर्द, मूंग, सोयाबीन, तिल आदि के क्षेत्रफल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। संभावित सुपर एल–नीनो के प्रभाव को देखते हुए उन्होंने किसानों से विशेष अपील की है कि वे अपने खेत की मेड़ों पर वृक्षारोपण करें तथा मेड़ों पर अरहर की खेती को अपनाएं। इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा बैंगन, मक्का, लोबिया, लौकी आदि सब्जियों की खेती को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान प्रमुख सचिव कृषि श्री रविंद्र, सचिव कृषि श्री इन्द्र विक्रम सिंह, निदेशक कृषि श्री पंकज त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम के निदेशक श्री टी एम त्रिपाठी तथा उत्तर प्रदेश बीज प्रमाणीकरण के निदेशक श्री टीपी चौधरी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सम्पर्क सूत्र– डा0 मनोज चन्द्रा

राघवेन्द्र / 02:10 PM

फोन नम्बर Direct : 0522–2239023 ईपीबीएक्स० : 0522–2239132,33,34,35 एक्सटेंशन : 223 224 225
फैक्स नं० : 0522–2237230 0522–2239586 ई–मेल : upsoochna@gmail.com,
वेबसाइट :www.information.up.gov.in